

प्रेषक,

डॉ० हेमलता ढौडियाल  
अपर सर्विव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,  
उद्योग,  
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

औदीमिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: ०५ सितम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु स्पेशल कम्पोनेन्ट सब प्लान तथा ट्राईबल सब प्लान के अधीन धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महादेव,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 882/वजट-08/स्पेशल कम्पोनेन्ट/ 2007-08 दिनांक 8 जून, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग निदेशालय के आगाजनागत पक्ष में अनुदान सं० 30 के अन्तर्गत अनु० जाति/जनजाति कम्पोनेन्ट के अधीन जिला योजना, उद्यमिता विकास प्रणाली कार्यालय जिला योजनानागत रु० 2,40,000/- तथा अनुदान सं० 31 के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति उपयोजना, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यालय योजनानागत रु० 60,000/- अधी०त कुल रु० 3,00,000/- (रूपये तीन लाख मात्र) की धनराशि को सलग्न विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवेदन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मात्रों में किया जाय जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में नियावयता नितान्त आवश्यक है तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। यह आवटन किसी ऐसे व्यय को बरने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर वजट मैनुअल अथवा वित्तीय उत्तराखण्ड के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2008 तक उपर्योग कर लिया जायेगा। व्यान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध बताया जायेगा। व्यय के पश्चात यदि सोई धनराशि आवश्य रहती है तो उस दिनांक 31.03.2008 तक शासन को रामबित किया जायेगा।

4- शासनादेश की शर्तों का अनुपालन न करने का सारल दायित्व विभागाध्यक्ष एवं समन्वित आहरण एवं वितरण अधिकारी का ही माना जायेगा।

5- स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान तथा प्राइवेल सब प्लान की योजनाओं के लिये नियोजन पिंडाग द्वारा मात्राकृत परिव्यय के अनुसार एवं जिला नियोजन अनुबंधन समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही व्यय किया जायेगा। अनुमोदित परिव्यय से अधिक व्यय करने पर समरत दायित्व समन्वित जनपदीय नोडल अधिकारी का ही होगा। किसी भी दशा में उपलब्ध धनराशि से अधिक व्यय न किया जाय।

6- उक्त व्यय वालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान राश्या-30 एवं 31 के संलग्नक में दिये गये विस्तृत सुसंगत सेखारींक की प्राथमिक इकाईयों के नामे दाता जाएंगा।

7- यह आदेश पिल्ल विभाग के अनुसारी संख्या 346/XXVII(2) 2007 दिनांक 31 अगस्त, 2007 में प्राप्त उनकी चहरति से निर्गत हित जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भारतीय।

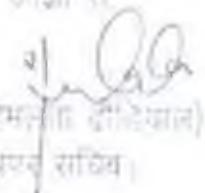
(का० रमेश कौरेयाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 4117(1)/VII-2/171-उद्योग/2006, तदृदिनांकित।

प्रतिसिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालंखाकार उत्तराखण्ड रहादून।
2. समरत बरिष्ट कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. आयुक्त, गढगाल मण्डल, पीढ़ी/कुमाऊ मण्डल, नैनीताल।
4. समरत जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
6. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
7. अपर सचिव, पिल्ल (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, संविवालय परिसर, देहरादून।
9. पिल्ल अनुभाग-2
10. गाँड-पाईल।

जाना गया।

  
(का० रमेश कौरेयाल)  
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या 4117/VII-2/171-उद्योग/2006, दिनांक 05-मित्रावृद्धि, 2007 का  
संलग्नक।

अनुदान संख्या-30 (धनराशि लाख रु० मे०)

2851-यानोद्योग तथा लघु उद्योग-00

आयोजनागत-102-लघु उद्योग-02 अनुजाति/जनजाति

कम्पोनेन्ट के अधीन जिला योजना-03-उद्यगिता विकास

प्रशिक्षणकार्यक्रम (जिला योजना)

20-राहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता ----- 240

अनुदान संख्या-31

2851- यानोद्योग तथा लघु उद्योग-00

आयोजनागत-102-लघु उद्योग-01-अनुज

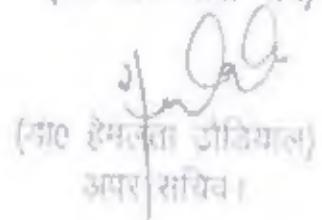
जाति उप योजना-03-उद्यगिता विकास

प्रशिक्षण कार्यक्रम

20-राहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता----- 060

योग: 300

(रु० तीन लाख मात्र)

  
(30 लाख रु० राजसहायता)  
अपर संग्रह।